Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

भजन - "अंतिम प्रार्थना" [राग भैरवी □र आधारित]

हे दुखभंजन रघुनाथ हरो दुख मेरे,
अ□ना लो दीनानाथ दासहम तेरे |

युओं युगों से सुनते आये, तुम सबके दुख हरते ,
सभी निराश जनों की झोली, तुम आशा से भरते |
गुरु, □तु मातु, सहायक सबके, सबका हित ही करते,
हम भी झोली ले हाथ, लगाये आस, खड़े दर तेरे ||
हे दुखभंजन ...

लाखों योनि भटक कर हमने ये मानव तन □ाया ,
यह दुरलभ जीवन भी प्रभुजी मैंने व्यर्थ गँवाया ,
कभी न आया संत शरन में, कभी न हरि गुन गाया,
अब कैसे हो उद्धार, लगें हम □ार, न समुझ □रे रे ||
हे दुख भंजन ...

गीध अजामिल गज गणिका को तुमने □ार लगाया,
□त्थर बनी अहिल्या को तुमने ही राम जिलाया ,
धुव प्रहलाद विभीषण को तुमने निज धाम □ठाया,
हम भी तो दीनानाथ, तुम्हारे दास, चरन के चेरे ||
हे दुख भंजन ...

हमें □ता है, इक दिन तुम मेरी भी अरज सुनोगे,
निज चरणों □र, यह □ाी सिर, प्रभु तुम रखने दोगे,
अहंकार मेटोगे, मेरे अवगुण सभी हरोगे ,
काटोगे माया जाल, प्रभु, तत्काल सुनोगे नेरे ||
हे दुख भंजन ...

www.shreeramsharnam.org / www.ibiblio.org/ram